चिड़िया और राजा

एक लोक कथा

एक चिड़िया को कहीं से एक मोती मिल गया। चिड़िया ने उसे नथ में पिरोकर नाक में पहन लिया। यह मोती की नथ पहनकर वह राजा के महल पर जा बैठी और गाने लगी—मैं राजा से बड़ी, मेरी नाक में मोती।

यह सुनकर राजा को गुस्सा आ गया। उसने अपने आदमियों से कहा कि चिड़िया का मोती छीन लाओ, तो आदमियों ने जाकर झट से चिड़िया से मोती छीन लिया। अब चिड़िया पहले वाला गाना छोड़कर दूसरा गाना गाने लगी—राजा है भिखारी, मेरा मोती छीन लिया। यह गीत सुनकर राजा बड़ा शरमाया। उसने चिड़िया को उसका मोती लौटा दिया। मोती मिलने पर चिड़िया ने और भी नया गीत शुरू किया—"राजा तो डर गया, मेरा मोती दे दिया।" राजा यह गीत सुनकर गुस्से में लाल हो गया। उसने चिल्लाकर कहा—पकड़ लाओ इस बदमाश चिड़िया को। आदमी लोग चिड़िया को पकड़ने के लिए दौड़े। मगर चिड़िया फुर्र से उड़ गई। राजा हाथ मलता रह गया।